पेज. 4 जिला तैराकी प्रतियोगिता में खिलाडियों दिखाया

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

नीमच, बुधवार

5 जुन 2024

वर्ष 02, अंक 10, - मूल्य 02 रूपए

Periodicity- Weekly

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 71,936 Silver 93,550 Crude Oil 6,203 Natural Gas 240.90 Aluminium 242.95 Copper 881.15

केंद्र की सत्ता में NDA ने लगाई जीत की हैट्रिक, देश ने दिया मोदी 3.0 का जनादेश

दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजे अब साफ हो चुके हैं. NDA गठबंधन को 291 सीटें मिली हैं. तो वहीं INDIA ब्लॉक को 234 सीटें मिली हैं. इन नतीजों में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी लगातार तीसरी बार बनी है. हांलाकि बीजेपी को इस बार पूर्ण बहुमत नहीं मिला लेकिन जब विपक्ष के पूरे इंडिया गठबंधन की 20 पार्टियों ने मिलकर 234 सीटें जीती हैं, तब बीजेपी ने अकेले अब तक के सामने आए नतीजों में 240 सीटें जीती हैं. जहां दो बार लगातार बीजेपी को अपने दम पर बहुमत मिलता रहा. वहां अबकी बार गठबंधन सरकार के पास तीसरी बार मौका है लेकिन विपक्ष की सीटें खूब मजबूत हुई हैं.

इन नतीजों से संसद की स्थिति में काफी बदलाव देखने को मिलेगा. जहां एक ओर पिछले 10 वर्षों से लोकसभा में भाजपा का एकक्षत्र राज चल रहा था, तो वहीं अब भाजपा उस स्थिति में नहीं है कि लोकसभा में अकेले के दम पर कोई बिल भी पास करा ले. इसी के साथ कांग्रेस की स्थिति में इतना बदलाव हुआ है कि जहां 2019 में वो मुख्य विपक्षी पार्टी तक नहीं बन पाई, वो अब 2024 में 100 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई.

लेकिन वहीं दूसरी ओर भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर तैयारियों में जुट गई है. भाजपा मुख्यालय में जीत के जश्न में पहुंचे पीएम मोदी ने कहा भी कि हमारे सामने एक विकसित भारत का संकल्प है. पीएम ने कहा, तीसरे कार्यकाल में देश बड़े फैसलों का एक नया अध्याय लिखेगा.

इन नतीजों को लेकर राजनेताओं से लेकर राजनीतिक जानकारों में अलग-अलग राय हैं. ऐसे में आज के नतीजों की 10 बड़ी बातें जान लेना भी जरूरी है.

1. प्रधानमंत्री मोदी का तीसरा कार्यकाल पक्का है. लेकिन आज के नतीजे उनकी उम्मीदों के विपरीत रहे हैं और NDA 300 भी पार नहीं कर पाया.

2. बीजेपी को इस बार पूर्ण बहुमत नहीं मिला लेकिन 239 सीटों के साथ वो सबसे बड़ी पार्टी रही है और चाहिए कि जब विपक्ष के पूरे इंडिया गठबंधन की 20 पार्टियों ने मिलकर 235 सीटें जीती हैं, तब बीजेपी ने अकेले 239 सीटें जीती हैं.

3. देश में गठबंधन वाली सरकार का दौर एक बार फिर से लौट आया है. इस बार लोगों ने मजबूत सरकार का नहीं बल्कि मजबूत विपक्ष का चुनाव किया है.

4. बीजेपी को हिन्दी भाषी राज्यों में जबरदस्त नुकसान हुआ और खासतौर पर उत्तर प्रदेश में बीजेपी को पिछली बार से 30 सीटें कम मिलीं और अब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, सबसे बड़ी पार्टी बन गई है.

5. उत्तर प्रदेश में राम मंदिर का मुद्दा बिल्कुल नहीं चला और बीजेपी अयोध्या में भी चुनाव हार गई. इसके अलावा उत्तर प्रदेश में बीजेपी के अंदर जो डिवाइड था, उससे भी पार्टी को नुकसान हुआ.

6. पश्चिम बंगाल में बीजेपी ममता बनर्जी के गढ़ को भेद नहीं पाई और ममता बनर्जी ने पिछली बार से भी ज्यादा सीटें जीतकर ये साबित किया कि पश्चिम बंगाल के लोगों का भरोसा अब भी उनके साथ है.

7. इस खंडित जनादेश ने नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडु को अब किंगमेकर की भूमिका में ला दिया है, जिनमें नीतीश कुमार की JDU को 12 और चंद्रबाबू नायडु की TDP को 16 सीटों पर जीत मिली है और इन दोनों नेताओं के पास अब 28 सीटें हैं.

8. राजस्थान में विधानसभा के चुनाव जीतने के कुछ महीने बाद ही परिस्थितियां बदल गई और जिस राजस्थान में पिछली बार बीजेपी ने 25 की 25 सीटें जीती थीं और इसके बाद पिछले साल विधानसभा का भी चुनाव जीता था, उस राजस्थान में इस बार बीजेपी ने 14 और कांग्रेस ने 8 सीटें जीती हैं.

9. बीजेपी ने विपक्षी दलों से आए जिन दल-बदलू नेताओं पर दांव लगाया, वो दांव नाकाम हो गया और महाराष्ट्र में अजित पवार और एकनाथ शिंदे जैसे सहयोगी भी NDA को लाभ नहीं पहुंचा पाए.

10. बीजेपी को अब भी चुनाव जीतने के लिए RSS की जरूरत है और वो RSS की संगठन शक्ति को दरकिनार नहीं कर सकती. आज के नतीजों में सबकी जीत हुई है. आज EVM की भी जीत हुई है, आज लोकतंत्र की भी जीत हुई है, आज विपक्ष की भी जीत हुई है और आज सरकार की भी जीत हुई है और आज कोई हारा ही नहीं है. इन नतीजों से एक अहम फैक्टर सामने आया कि बीजेपी और NDA को दलित, महिला और युवा वोटों का ज़बरदस्त नुकसान हुआ है और दूसरा, जिन सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार नामांकन भरने के बाद बीजेपी में शामिल हुए, वो चीजें वोटर्स को अच्छी नहीं लगी.

उदाहरण के लिए, इंदौर में जहां वोटिंग से पहले कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार बीजेपी में शामिल हो गए थे, वहां 2 लाख 18 हजार लोगों ने ह्वह्ज्ञ को वोट दिया है.

गौरतलब है कि इन नतीजों में एन फैक्टर भी देखने को मिला है.

NDA का N फैक्टर

इस चुनाव की शुरुआत से ही एक एन फैक्टर जुड़ा था. आजादी के बाद से अब तक पंडित जवाहरलाल नेहरू को छोड़ दें तो कोई भी प्रधानमंत्री लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में सफल नहीं रहा है. पीएम मोदी के पास इन चुनावों में लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर पंडित नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने का मौका था.

नमो, नीतीश और नायडू

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने शुरू हुए तो इन नतीजों ने भी एन फैक्टर दिया है- नमो, नीतीश और नायडू. नमो यानि नरेंद्र मोदी के चेहरे को आगे कर चुनाव मैदान में उतरे एनडीए को सरकार बनाने का जनादेश मिला. लेकिन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) लगातार तीसरी बार बहुमत के साथ मोदी सरकार नहीं बना पाई है.

अब एक एन यानी नेहरू की बराबरी कर लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लिए पीएम मोदी को दो अन्य एन- नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की पार्टियों के रुख पर निर्भर रहना पड़ेगा. नीतीश और नायडू के रुख से ही सरकार तय होनी है. नीतीश की अगुवाई वाले जनता दल (यूनाइटेड) को 12 और नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को 16 सीटें मिली. ये दोनों दल भी एनडीए में हैं.

नीमच जिले में स्वतंत्र निष्पक्ष शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित निर्वाचन एवं मतगणना संपन्न

कलेक्टर एवं एसपी ने दी सभी को बधाई

नीमच। नीमच जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत 4 जून मंगलवार को स्वतंत्र निष्पक्ष शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतगणना एवं निर्वाचन संपन्न होने पर जिले के सभी मतदाताओं, अभ्यर्थियों और अभिकर्ताओं, मतगणना दलों के अधिकारी कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, जवानों, मीडिया के साथियों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। कलेक्टर एवं एसपी ने निर्वाचन कार्य में किए गए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया है।कलेक्टर एवं एसपी ने कहा कि निर्वाचन जैसे महत?वर्पूण कार्य को नीमच जिले में सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में सभी ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र है।

मीडिया सेंटर पर की गई व्यवस्थाओं को सराहा

लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतगणना शा.पी.जी.कॉलेज नीमच पर सम्पन्न हुई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में जिला निर्वाचन कार्यालय व्दारा मतगणना स्थल पर की गई व्यवस्थाओं को सभी ने सराहा। मीडिया सेंटर पर भी मीडिया के साथियों के लिए प्रशासन एवं जिला निर्वाचन कार्यालय व्दारा प्रतिकूल मौसम को देखते हुए की गई बेहतरीन व्यवस्थाओं की सभी मीडिया के बंधुओं ने सराहना की है। उल्लेखनीय है , कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मंगलवार को 4 जून को सुबह 8 बजे से शा.पी.जी.कॉलेज नीमच में मतगणना प्रारंभ हुई।

नीमच एवं मनासा की मतगणना 18 राउण्ड, जावद की मतगणना 16 राउण्ड में सम्पन्न हुई। कलेक्टर श्री दिनेश जैन, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, केंद्रीय मतगणना प्रेक्षक श्री अजीज देसाई एवं श्री बी.मलिकार्जुन की उपस्थिति में सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी तरिकें से मतगणना कार्य सम्पन्न हुआ।

नीमच, मनासा विधानसभा के 18 और जावद विधान सभा के 16 राउंड की मतगणना समाप्त, जिले से सुधीर गुप्ता को मिले 188165 मत

नीमच। जिले की तीनों विधानसभा नीमच 229 जावद 230 और मनासा 228 की लोकसभा निर्वाचन की मतगणना का कार्य मंगलवार 4 जून को स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज में त्रि चक्रीय सुरक्षा घेरे में प्रात: 8:00 बजे से प्रारंभ कि गई जो शाम 6 बजे तक चली।नीमच और मनासा में 18 राउंड तो जावद में 16 राउंड में मतगणना की गई।जिले की मनासा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी दिलीप गुर्जर को 18 राउंड में 40811 मत तो भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को 105854 मत प्राप्त हुवे,जावद विधानसभा में 16 राउंड की गणना में कांग्रेस प्रत्याशी दिलीप गुर्जर को 37739 ओर भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को 92909 मत प्राप्त हुवे,इसी प्रकार नीमच विधानसभा के 18 राउंड की गणना में कांग्रेस प्रत्याशी दिलीप गुर्जर को 50603 मत और भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को 118554 मत प्राप्त हुए।

इस प्रकार नीमच जिले में संपन्न सभी राउंड की गणना के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी दिलीप गुर्जर को 129152 मत और भाजपा प्रत्याशी सुधीर गुप्ता को 317317 मत प्राप्त हुवे,जिसमे भाजपा प्रत्यशी सुधीर गुप्ता ने नीमच जिले से 188165 मतों से जीत दर्ज की।

महिलाओं ने गौ माता का पूजन कर मनाया महेश नवमी पर्व

नीमच। जय गणेश परिवार की पहल जीव सेवा विकास अभियान की पावन श्रृंखला में हिंगोरिया रेलवे फाटक के समीप धामनिया मार्ग हवाई अड्डे के समीप श्री कृष्ण गोपाल गौशाला व धामनिया गोशाला में आयोजित गौ सेवा पूजन कार्यक्रम में उपस्थित मातृशक्ति ने सामूहिक रूप से महेश नवमी पर्व के उपलक्ष्य में मातृशक्ति ने गौशाला में पहुंचकर गौ माता का आरती पूजन किया ।गौ माता को हरी घास, गुड खिला कर आशीर्वाद ग्रहण किया इस अवसर पर जीव सेवा विकास अभियान की मातृशक्ति कौशल्या काबरा, अनिल काबरा अमेरिका, शोभा तोतला,तारा बाहेती,श्री कांता कालानी, अनामिका पोरवाल,कांता अजमेरा, प्रेम लता मालु दुर्गा मानधना ,मंजू बाहेती, कृष्णा बाहेती, यशोदा अजमेरा,सरला मुंदड़ा, शिवकांता अजमेरा, 6 वर्षीय सुश्री प्राप्ति जायसवाल, दिनेश मालवीय हिंगोरिया सहित अन्य गौ सेवक उपस्थित थे।

SAVE WATER
SAVE TREE

सरकार बनाने का नंबर गेम-नीतीश-नायडू NDA छोड़ दें, तो भी कैसे तीसरी बार PM बनेंगे मोदी; 7 सिनेरियो से समझिए

दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजे साफ हो चुके हैं। अब सवाल सरकार बनाने का है। BJP अपने बूते बहुमत हासिल नहीं कर पाई, लेकिन उसकी ह्वह्ठ ने 292 सीटें जीत ली हैं। यानी बहुमत से 20 ज्यादा।

दूसरी तरफ 234 सीटों वाला इंडिया एलायंस भी सरकार बनाने की जुगत में है, लेकिन पलड़ा ND का भारी है। मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से कुछ ही दिनों की दूरी पर हैं। मगर कैसे आइए 7 सिनेरियो से समझते हैं...

सबसे पहले दोनों गठबंधनों के आंकड़े जान लेते हैं

लोकसभा में 543 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए कम से कम 272 सीटें चाहिए। BJP की अगुआई वाले NDA गठबंधन को 292 सीटें मिली हैं।

पहला सिनेरियो-अगर चंद्र बाबू की TDP, NDA का साथ छोड़ती है तो-

NDA के पास 292 सीटें हैं, इनमें TDP की हिस्सेदारी 16 है। अगर TDP, इंडी एलयांस के साथ जाती है, तो NDA के पास 276 सीटें बचेंगी। यानी बहुमत से 4 सीटें ज्यादा। इस स्थिति में NDA की सरकार बन जाएगी।

292-16 = 276 (NDA बहुमत से 4 ज्यादा)

दूसरा सिनेरियो - अगर नीतीश की जदयू, NDA का साथ छोड़ती है तो

NDA के पास 292 सीटे हैं, जिसमें जदयू के पास 12 सीटें हैं। अगर जदयू, इंडी के साथ जाती है, तो NDA के पास 280 सीटें रहेंगी। यानी बहुमत से 8 सीटें ज्यादा। NDA की सरकार बन जाएगी।

292-12= 280 (NDA बहुमत से 8 ज्यादा)

तीसरा सिनेरियो - अगर TDP और जदयू दोनों NDA का साथ छोड़ते हैं

TDP की 16 और जदयू की 12 सीटें मिलकर 28 के आंकड़े पर पहुंचती हैं। अगर NDA की कुल 292 सीटों में से TDP और जदयू की सीटें माइनस कर दें तो आंकड़ा 264 पहुंचेगा। यानी बहुमत से 8 सीटें कम। ऐसे में NDA सरकार बहुमत से पीछे रह जाएगी।

TDP+ जदयू यानी 16+12 = 28

अब 292-28= 264 (NDA बहुमत से 8 सीटें पीछे हो जाएगी, लेकिन NDA बड़ा गठबंधन रहेगा)

पहले और दूसरे सिनेरियो में NDA के पास बहुमत है। ऐसे में प्री-पोल एलायंस को बहुमत मिलने की स्थिति में राष्ट्रपति, NDA के नेता को सरकार बनाने के लिए इनवाइट करेंगे। गठबंधन के नेता होने की वजह से मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

तीसरे सिनेरियो में भले ही NDA बहुमत से पीछे रहेगी, लेकिन सबसे बड़ा गठबंधन होने की स्थिति में राष्ट्रपति उसे सरकार बनाने के लिए इनवाइट करेंगे। इस स्थिति में भी नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। हालांकि, बहुमत साबित करने के लिए उन्हें 8 सीटों की जरूरत होगी।

इस बार निर्दलीय और कई छोटे-छोटे ऐसे दल, जो किसी गठबंधन में शामिल नहीं हैं, उन्हें कुल मिलाकर 18 सीटें मिली हैं। मोदी इन दलों या प्रत्याशियों को साथ लाकर बहुमत का आंकड़ा जुटा सकते हैं।

क्या इंडी एलायंस की सरकार बन सकती है... आइए समझते हैं

पहला सिनेरियो - अगर जदयू, NDA छोड़कर इंडिया एलायंस के साथ आ जाए तो

जदयू के पास 12 सीटें हैं। अगर वह इंडी एलायंस के साथ आती है, तो इनका आंकड़ा 246 पहुंच जाएगा। इसके बाद भी वह बहुमत के आंकड़े से 28 सीटें पीछे रह जाएगी।

234+12= 246 (INDIA बहुमत से 28 सीटें कम)

दूसरा सिनेरियो- अगर TDP, NDA छोड़कर इंडिया एलांयस के साथ आए तो

TDP को 16 सीटों पर जीत मिली है। अगर वह इंडिया एलायंस के साथ आती है, तो इनका आंकड़ा 250 पहुंच जाएगा। इसके बाद भी इंडिया बहुमत के आंकड़े से 22 सीटें पीछे रह जाएगी।

234+16= 250 (INDIA बहुमत से 22 सीटें कम)

तीसरा सिनेरियो- अगर जदयू और TDP दोनों इंडिया एलायंस में आ जाए तो

TDP और जदयू को मिलाकर 28 सीटें हैं। ये दोनों इंडी एलायंस के साथ जुड़ती हैं, तो आंकड़ा 262 पहुंचेगा। इसके बाद भी इंडी एलायंस 10 सीटों से बहुमत से पीछे रह जाएगा।

TDP + जदयू यानी 16+12 = 28

अब 234+28= 262 (INDIA बहुमत से 10 सीटें पीछे)

चौथा सिनेरियो - अगर जदयू, TDP और लोजपा (राम विलास) इंडिया के साथ आ गए तो

TDP की 16, जदयू की 12 और लोजपा (राम विलास) की 5 सीटों को इंडिया एलायंस की सीटों में शामिल करें, तो इनका आंकड़ा पहुंचता है 267, यानी बहुमत से 5 सीटें कम। यानी इन तीनों पार्टियों के साथ आने के बाद भी इंडी एलायंस बहुमत से पीछ रह जाएगी।

TDP + जदयू यानी+ लोजपा (राम विलास) 16+12+5 = 33

अब 234+33 = 267 (INDIA बहुमत से 5 सीटें पीछे)

इलेक्शन के नंबर गेम से साफ है कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। संवैधानिक रूप से भी मोदी का पलड़ा भारी है।

दरअसल, भारत के राष्ट्रपति परंपरा के मुताबिक सबसे बड़े एलायंस या सबसे बड़े दल को सरकार बनाने के लिए इनवाइट करते हैं। इस चुनाव में 292 सीटों के साथ NDA सबसे बड़ा गठबंधन है और 240 सीटों के साथ BJP सबसे बड़ा दल।

अगर NDA के कुछ साथी साथ छोड़ देते हैं और इंडी एलायंस बहुमत का दावा करता है, तो भी राष्ट्रपति अपनी संवैधानिक शक्तियों का प्रयोग करते हुए BJP को बड़ा दल होने के नाते सरकार बनाने के लिए इनवाइट कर सकते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक एक बार सरकार बनाने के बाद मोदी को बहुमत जुटाने में खास दिक्कत नहीं होगी। यानी, इस बार भी मोदी के PM बनने की प्रबल संभावना है।

आखिर में एक रेयरेस्ट सिनेरियो: INDIA गठबंधन के पास 234 सीटें हैं। अगर नीतीश कुमार की जेडीयू और चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी NDA का साथ छोड़कर INDIA गठबंधन में शामिल हो जाते हैं। तो संख्या 262 पहुंच जाएगी। इसके अलावा निर्दलीय और अन्य छोटी पार्टियां मिलाकर 18 सांसद हैं। अगर उनमें से 10 भी INDIA गठबंधन के साथ आ जाते हैं तो वो बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लेगी और सरकार बना सकती है। हालांकि इसकी संभावना रेयरेस्ट है।

NDA गठबंधन को 292 सीटों पर मिली जीत

पार्टी	सीटें
बीजेपी	240
टीडीपी	16
जदयू	12
शिवसेना	7
एलजेपी (राम विलास)	5
आरएलडी	2
एनसीपी	1
अपना दल	1
एजीपी	1
यूपीपीएल	1
जेडीएस	2
एजेएसयूपी	1
हम	1
जेएसपी	2
कुल	**292**

I.N.D.I.A गठबंधन को 234 सीटों पर मिली जीत

पार्टी	सीटें
कांग्रेस	99
सपा	37
टीएमसी	29
डीएमके	22
शिवसेना उद्धव	9
एनसीपी शरद	8
आरजेडी	4
सीपीएम	4
जेएमएम	3
आईयूएमएल	3
आप	3
सीपीआई एमएल	2
जेकेएनसी	2
वीसीके	2
सीपीआई	2
केसी	1
आरएलटीपी	1
बीएडीवीपी	1
एमडीएमके	1
आरएसपी	1
कुल	234

28 राज्य, 8 केंद्र शासित प्रदेशों में जीत-हार के नतीजे- 6 राज्यों में भाजपा का क्लीन स्वीप, एनडीए को पुर्ण बहुमत, मोदी फिर बनेगें पीएम

नई दिल्ली। लोकसभा की 542 सीटों की काउंटिंग हो चुकी है। दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में भाजपा ने क्लीन स्वीप किया है। कांग्रेस 99 सीट जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी और सपा 37 सीटें जीतकर तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी।

उत्तर प्रदेश की लखीमपुर खीरी सीट से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी चुनाव हार गए हैं। 2021 में टेनी के बेटे ने प्रदर्शन कर रहे किसानों पर अपनी कार चढ़ा दी थी। इसमें 8 लोगों की मौत हुई थी।

साथ ही मोदी सरकार में मंत्री स्मृति ईरानी, महेंद्र नाथ पांडेय और कौशल किशोर भी चुनाव हार गए हैं। उधर फैजाबाद (अयोध्या) में बीजेपी प्रत्याशी लल्लू सिंह को भी हार मिली।

राहुल गांधी केरल के वायनाड और यूपी के रायबरेली से चुनाव जीत गए। वहीं कैसरगंज सीट से करणभूषण सिंह ने भी बाजी मारी। करणभूषण पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे हैं। बृजभूषण पर पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया था, जिसके बाद उन्हें टिकट नहीं मिला।

उधर, हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और चित्रदुर्ग से जीएम करजोल विजयी घोषित हुए हैं। सूरत सीट भाजपा पहले ही निर्विरोध जीत चुकी है। राजस्थान में जयपुर सीट भाजपा की मंजू शर्मा जीत चुकी हैं।

मध्य प्रदेश के इंदौर में बीजेपी प्रत्याशी शंकर लालवानी 11 लाख 75 हजार 92 वोट से जीत गए हैं। विदिशा से बीजेपी प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान ने 8 लाख 20 हजार 868 वोटों से जीत हासिल की है।

इसके अलावा, पंजाब में पूर्व ष्टरूचरणजीत सिंह चन्नी जालंधर से और फतेहगढ़ साहिब से अमर सिंह चुनाव जीत गए हैं। अमृतसर से कांग्रेस के गुरजीत औजला जीते।

वहीं खडूर साहिब से खालिस्तान समर्थक अमृतपाल निर्दलीय चुनाव जीत गए। पटियाला से कांग्रेस के धर्मवीर गांधी जीते हैं। उन्होंने कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी BJP उम्मीदवार परनीत कौर और ्क्ष सरकार के मंत्री डॉ. बलबीर सिंह को हराया है।

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट का खाता खुल गया है। दक्षिण-मध्य मुंबई से अनिल देसाई चुनाव जीत गए हैं। देसाई ने शिवसेना शिंदे गुट के निवर्तमान सांसद राहुल सेवाले को हराया।

मेघालय से कांग्रेस के सालेंग ए संगमा जीत गए हैं। वे तुरा सीट से चुनाव लड़ रहे थे। कर्नाटक में जनता दल (सेक्युलर) के एच.डी. कुमारस्वामी मांड्या सीट से 2.84 लाख वोट से जीत गए हैं। उन्होंने कांग्रेस के वेंकटरमण गौड़ा को हराया है।

राज्य	सीटें	भाजपा +	कांग्रेस+	अन्य
उत्तर प्रदेश	80	36	43	1
महाराष्ट्र	48	17	30	1
आंध्र प्रदेश	25	21	0	4 (YSRCP)
तेलंगाना	17	8	8	1 (AIMIM)
पश्चिम बंगाल		42	12	1 29 (TMC)
बिहार	40	30	9	1
तमिलनाडु	39	0	39	
मध्यप्रदेश	29	29	0	0
कर्नाटक	28	19	9	0
गुजरात	26	25	1	0
राजस्थान	25	14	10 कांग्रेस+ 1 CPI–	0
ओडिशा	21	20	1	0
केरल	20	1	18	1 (CPI)
असम	14	11	3	0
झारखंड	14	9	5	0
पंजाब	13	0	7	कांग्रेस+3 AAP2 + 1 (SAD)
छत्तीसगढ़	11	10	1	0
हरियाणा	10	5	4	0
दिल्ली	7	7	0	0
जम्मू कश्मीर		5	2 (NC)	2 1 (निर्दलीय)
उत्तराखंड	5	5	0	0
हिमाचल प्रदेश	4	4	0	0
मेघालय	2	0	1	1
अरुणाचल प्रदेश	2	2	0	0
त्रिपुरा	2	2	0	0
गोवा	2	1	1	0
मणिपुर	2	0	2	0
लक्षद्वीप	1	0	1	0
पुडुचेरी	1	0	1	0
सिक्किम (SKM)	1	0	0	1
मिजोरम	1	0	0	1
नगालैंड	1	0	1	0
अंडमान निकोबार	1	1	0	0
चंडीगढ़	1	0	1	0
दादर नगर हवेली- दमन दीव	2	1	0	1
लद्दाख	1	0	0	1

कुल सीटें-543

राज्यवार 2019 और 2024 का एनालिसिस...

उत्तर प्रदेश - 80 सीटें

लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में बीजेपी ने 74 सीटों पर चुनाव लड़ा। जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) और अपना दल (एस) ने दो-दो सीटों पर चुनाव लड़ा। बीजेपी को 33 सीटों पर जीत मिली। वहीं, RLD 2 सीटें जीत पाई। अपना दल सोनेलाल की पार्टी एक सीट पर जीती। I.N.D.I.A ब्लॉक में शामिल सपा 37 सीटों पर और कांग्रेस 6 सीटों पर जीती।

2019 में भाजपा को 62, बसपा 10, सपा 5, अपना दल (एस) 2 और कांग्रेस को सिर्फ रायबरेली सीट पर जीत मिली थी। राहुल गांधी अमेठी सीट से हार गए थे।

केंद्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी टीवी पर अपना रिजल्ट देख भावुक हो गए। वे खीरी से चुनाव हार गए हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी टीवी पर अपना रिजल्ट देख भावुक हो गए। वे खीरी से चुनाव हार गए हैं।

महाराष्ट्र - 48 सीटें

महाराष्ट्र की 48 सीटों में बीजेपी को 9 सीटें जीत चुकी है। गठबंधन की सहयोगी NCP ने एक सीट जीती। शिव सेना (शिंदे गुट) को 7 सीटों पर जीत मिली। INDIA ब्लॉक में शामिल कांग्रेस ने 13 सीटें जीतीं। शिव सेना (क्ङ्ग) 9 सीटों पर जीत चुकी है। ह्रष्टक्कशरद चंद्र पवार ने 8 सीटों पर जीत हासिल की। सांगली सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार जीता।

2019 में यहां भाजपा-शिवसेना ने गठबंधन में चुनाव लड़ा था और 48 में से 41 सीटें जीती थीं। भाजपा को 23, शिवसेना को 18 सीटें मिली थीं। वहीं, ह्रष्टक्क को 4, कांग्रेस, AIMIM और निर्दलीय को 1-1 सीट मिली थी।

आंध्र प्रदेश - 25 सीटें

आंध्र प्रदेश की 25 सीटों में बीजेपी 3 सीटों पर जीत हासिल हुई है। वहीं, सहयोगी पार्टी टीडीपी को 16 सीट पर जीत मिली है। जन सेना पार्टी ने दो सीटें जीतीं। YSRCP चार सीट जीतने में कामयाब रही। 2019 में राज्य की 25 में से 22 सीटें सत्ताधारी जगनमोहन रेड्डी की पार्टी YSRCP ने जीतीं। पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी TDP को 3 सीटें ही मिल पाईं। भाजपा को एक भी सीट नहीं मिली थी।

तेलंगाना - 17 सीटें

तेलंगाना की 17 सीटों पर बीजेपी ने 8 सीटों पर जीत हासिल की। कांग्रेस ने भी 8 सीटों पर जीत दर्ज की। AIMIM को सिर्फ एक ही सीट पर जीत मिली। यह हैदराबाद सीट है, जहां असदुद्दीन ओवैसी जीते हैं। 2019 में तब सत्ता में रही BRS ने सबसे ज्यादा 9 सीटें जीतीं। इसके बाद भाजपा को 4, कांग्रेस को 3 और AIMIM को 1 सीट मिली थी।

कोलकाता में काउंटिंग के दौरान ञ्जरूष्ट समर्थकों ने जश्न मनाया। राज्य की 42 लोकसभा सीटों में ञ्जरूष्ट ने बाजी मारी है।

कोलकाता में काउंटिंग के दौरान ञ्जरूष्ट समर्थकों ने जश्न मनाया। राज्य की 42 लोकसभा सीटों में ञ्जरूष्ट ने बाजी मारी है।

पश्चिम बंगाल - 42 सीटें

पश्चिम बंगाल में भाजपा, कांग्रेस और ञ्जरूष्ट तीनों ने अकेले चुनाव लड़ा। राज्य की 42 सीटों में से TMC ने 29 सीटें जीतीं। वहीं बीजेपी को 12 सीटों पर जीत मिली। कांग्रेस केवल 1 ही सीट जीत सकी।

2019 में यहां भाजपा ने 18, सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने सबसे ज्यादा 22 और कांग्रेस ने 2 सीटें जीती थीं। इस बार ञ्जरूष्ट यहां I.N.D.I.A गठबंधन से अलग चुनाव लड़ रही है। वहीं कांग्रेस और CPI साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं।

बिहार - 40 सीटें

बिहार की 40 सीटों में भाजपा को 12 सीट पर जीत मिली। सहयोगी दल जदयू को भी 12 ही सीटों पर जीत मिली। लोकजनशक्ति पार्टी (राम विलास) 5 सीटों पर जीती। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने एक सीट जीती। वहीं, INDIA ब्लॉक में कांग्रेस को 3 सीटें और आरजेडी को चार सीटों पर जीत मिली। CPI-(रू)(रु) ने भी 2 सीटें जीतीं। पूर्णिया की सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी पप्पू यादव ने जीत दर्ज की।

2019 में भाजपा नीत NDA ने 40 में से 39 सीटें जीती थीं। भाजपा को 17, JDU को 16 और LJP को 6 सीटें मिली थीं। लालू प्रसाद यादव की पार्टी ऋछ्वष्ठ का सूपड़ा साफ हो गया था। कांग्रेस सिर्फ 2 सीट जीत पाई।

तमिलनाडु - 39 सीटें

तमिलनाडु की 39 सीटों में सबसे बड़ी पार्टी बनी। यह कांग्रेस का सहयोगी दल है। डीएमके ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, कांग्रेस ने 9 सीटों पर जीत हासिल की। MDMK को 1 सीट मिली। वहीं, CPI, CPI (रू) और ङ्कष्टय को दो-दो सीटें मिलीं। एक सीट पर ढ्ढरू और स्ङ्करू ने जीती। चेन्नई सेंट्रल से भाजपा के सबसे चर्चित चेहरे के. अन्नामलाई हार गए।

मध्य प्रदेश - 29 सीटें

मध्य प्रदेश की 29 सीटों पर बीजेपी ने क्लीन स्वीप किया। राज्य की सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस यहां इकलौती छिंदवाड़ा सीट भी नहीं बचा सकी। यहां से नकुलनाथ उम्मीदवार थे।

2019 में भाजपा ने 29 में से 28 सीटें जीती थीं। मोदी लहर में कांग्रेस सिर्फ छिंदवाड़ा सीट ही बचा पाई। यहां से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ चुनाव जीते थे। इस बार उनके बेटे नकुलनाथ भी हार गए।

कर्नाटक - 28 सीटें

कर्नाटक की 28 सीटों पर बीजेपी और सहयोगी दल जेडीएस ने बाजी मारी। भाजपा ने 17 सीटें जीतीं वहीं जेडीएस के खाते में 2 सीटें आई। कांग्रेस को सिर्फ 9 सीटें मिलीं।

भाजपा का एकमात्र दक्षिण का गढ़ माने जाने वाले कर्नाटक में 2019 में पार्टी को 25 सीटें मिलीं थीं। कांग्रेस, छ्वष्ठस् और निर्दलीय एक-एक सीट ही जीत पाई थी।

गुजरात - 26 सीटें

गुजरात में बीजेपी ने 26 सीटों में से 25 पर जीत दर्ज की। सिर्फ एक सीट कांग्रेस के खाते में आई। 2019 में भाजपा ने यहां 26 की 26 सीटें जीतीं थीं। इस बार सूरत से कांग्रेस प्रत्याशी का पर्चा रद्द होने और अन्य प्रत्याशियों के नाम वापस लेने के बाद भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध पहले ही जीत चुके थे।

राजस्थान - 25 सीटें

राजस्थान की 25 सीटों पर भाजपा ने 14 सीटें जीतीं। वहीं INDIA ब्लॉक में शामिल कांग्रेस ने 8 और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, भारत आदिवासी पार्टी, CPI(रू) तीनों को एक-एक सीट मिली। 2019 में राज्य की 25 में से 24 सीटें भाजपा ने जीत ली थीं। एक सीट ऋरुक्क को मिली थी। कांग्रेस का राज्य से सफाया हो गया था।

ओडिशा - 21 सीटें

ओडिशा की 21 सीटों में से भाजपा को 20 सीटें मिलीं। जबकि कांग्रेस केवल एक ही सीट जीत सकी। बीजेडी एक भी सीट नहीं जीत सकी। 2019 में राज्य की 21 में से 12 सीटें सत्ताधारी क्चछ्वष्ठ ने जीती थीं। भाजपा को 8 और कांग्रेस को सिर्फ एक सीट पर जीत मिली थी।

केरल - 20 सीटें

केरल की 20 सीटों पर सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस बनकर आई है। कांग्रेस को 14 सीटों पर जीत मिली। वहीं सहयोगी दल IUML ने 2 सीटें जीतीं। केरल कांग्रेस और आरएसपी ने एक-एक सीट जीती। उधर बीजेपी सिर्फ एक सीट पर जीत सकी। CPI (रू) को भी एक ही सीट मिली।

2019 में यही एक राज्य था, जहां कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 15 सीटें जीती थीं। इसके अलावा अन्य क्षेत्रीय पार्टियों को 5 सीटें मिली थीं। भाजपा एक भी सीट नहीं निकाल पाई।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत के बाद भाजपा समर्थकों ने जश्न मनाया।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत के बाद भाजपा समर्थकों ने जश्न मनाया।

असम - 14 सीटें

असम की 14 सीटों में से भाजपा ने 9 सीटों पर जीत दर्ज की। सहयोगी दल क्कक्करू और ्तक्क ने एक-एक सीट जीती। वहीं कांग्रेस 3 सीटों पर जीत सकी। असम में 2019 में भाजपा को 9, कांग्रेस को 3, AIUDF और निर्दलीय को एक-एक सीट मिली थी।

झारखंड - 14 सीटें

झारखंड की 14 सीटों में से भाजपा को 8 सीटों पर जीत मिली। सहयोगी दल आजसू पार्टी एक सीट जीत सकी। वहीं INDIA गठबंधन में कांग्रेस दो सीट पर जीती। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की।

2019 में यहां NDA को 12 सीटें मिली थीं। भाजपा ने 11 और उसके सहयोगी दल AJSU ने एक सीट जीती थी। कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा एक-एक सीट ही निकाल पाई। RJD एक भी सीट नहीं जीत पाई।

पंजाब - 13 सीटें

पंजाब में बीजेपी को एक भी सीट नहीं मिली। INDIA ब्लॉक में शामिल कांग्रेस ने सात सीट जीतीं। वहीं आम आदमी पार्टी ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की। जबकि शिरोमणि अकाली दल के खाते में एक सीट आई। दो सीटें निर्दलीय उम्मीदवार जीते।

दो निर्दलीय में से एक खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह है। वह खंडूर साहिब सीट से चुनाव जीता है। वह फिलहाल असम की जेल में बंद है। इसके अलावा फरीदकोट सीट से सरबजीत सिंह खालसा ने जीत दर्ज की।

2019 में कांग्रेस को यहां से 8, शिरोमणि अकाली दल को 2, भाजपा को 2 और आम आदमी पार्टी (AAP) को एक सीट मिली थी।

छत्तीसगढ़ - 11 सीटें

छत्तीसगढ़ की 11 सीटों पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला था। भाजपा ने 10 सीटें जीतीं। वहीं कांग्रेस के खाते में सिर्फ एक सीट आई। राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल 44 हजार से ज्यादा वोटों से हार गए।

2019 में भाजपा को यहां 9 और कांग्रेस को 2 सीटें मिली थीं। तब यहां कांग्रेस की सरकार थी। इस बार सत्ता भाजपा की है।

हरियाणा - 10 सीटें

हरियाणा में भी भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला था। कांग्रेस ने 5 सीटें जीतीं। वहीं भाजपा को 5 सीटों पर जीत मिल चुकी है। 2019 में भाजपा ने यहां 10 में से 10 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को यहां एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। उनके दिग्गज नेता तक चुनाव हार गए थे। फिलहाल राज्य में भाजपा की सरकार है।

दिल्ली - 7 सीटें

दिल्ली में बीजेपी ने विपक्षियों का पूरी तरह से सफाया किया। भाजपा ने सभी 7 सीटों पर जीत दर्ज की। यहां कांग्रेस और ्क्क का खाता तक नहीं खुला। 2019 में भी बीजेपी ने दिल्ली की सभी सात सीटें जीती थीं।

जम्मू-कश्मीर - 5 सीटें

जम्मू कश्मीर की 5 सीटों में से जम्मू और उधमपुर सीट BJP के खाते में गईं। जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस को यहां 2 सीटें मिलीं। बारामूला सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते।

लद्दाख की एक सीट पर 2019 में जम्मू एवं कश्मीर में लोकसभा की 6 सीटें थीं। तब भाजपा ने 3 और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 3 सीटें जीती थीं। लद्दाख में 2019 में भाजपा ने एकमात्र सीट जीती थी।

उत्तराखंड - 5 सीटें

उत्तराखंड की सभी पांच सीटों पर बीजेपी ने कब्जा किया। यहां कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला। 2019 में भाजपा ने राज्य की सभी 5 सीटें जीती थीं। कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई। तब सत्ता में भाजपा ही थी। इस बार भी राज्य में भाजपा की ही सरकार है।

हिमाचल की मंडी सीट से क्च्छ्वक्क उम्मीदवार कंगना रनोट को उनकी मां दही खिलाती हुईं। कंगना चुनाव जीत गई हैं।

हिमाचल की मंडी सीट से क्च्छ्वक्क उम्मीदवार कंगना रनोट को उनकी मां दही खिलाती हुईं। कंगना चुनाव जीत गई हैं।

हिमाचल प्रदेश - 4 सीटें

हिमाचल प्रदेश में बीजेपी ने क्लीनस्वीप किया। राज्य की सभी चार सीटों पर बीजेपी को जीत मिली। इसमें मंडी से कंगना रनोट और हमीरपुर से अनुराग ठाकुर की सीट शामिल है। 2019 में भाजपा ने राज्य की सभी 4 सीटें जीती थीं। कांग्रेस का सफाया हो गया था। तब राज्य में भाजपा की सरकार थी, अभी कांग्रेस सत्ता में है।

7 पूर्वोत्तर राज्य

देश के 7 पूर्वोत्तर राज्य- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड- में कुल 25 सीटें हैं। जिसमें त्रिपुरा में बीजेपी ने दो सीटें जीतीं। मणिपुर में कांग्रेस को दो, अरुणाचल प्रदेश में भाजपा ने दोनों सीटों पर जीत हासिल की। मेघालय में सिर्फ दो सीटें हैं जिसमें एक पर कांग्रेस को जीत मिली। दूसरी सीट स्थानीय पार्टी VOTPP को मिली। असम की 9 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की। सहयोगी दल UPPL औरU AGP एक-एक सीट पर जीती। वहीं कांग्रेस को सिर्फ 3 सीटों पर जीत मिली। नगालैंड में एक सीट कांग्रेस जीती।

दादर नगर हवेली-दमन दीव, लद्दाख, लक्षद्वीप, पुडुचेरी, चंडीगढ़

चंडीगढ़ में एक सीट पर कांग्रेस को जीत मिली। वहीं दादर नगर हवेली और दमन दीव में एक सीट बीजेपी और एक अन्य को मिली। लद्दाख में एक सीट निर्दलीय को मिली। इसके अलावा लक्षद्वीप और पुडुचेरी की कुल दो सीटें कांग्रेस के खाते में गईं।

आखिर में देश के सभी 543 सीटों पर राज्यवार

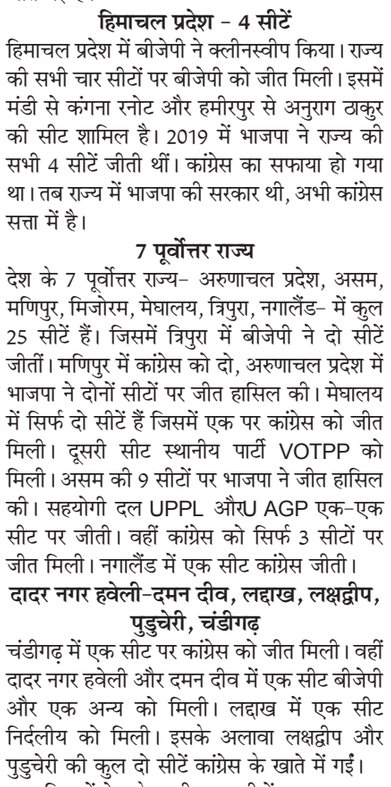

चारधाम यात्रा की प्लानिंग बन सकती है मुसीबत का सबब, इन आसान तरीकों से करा सकते हैं पंजीकरण

अगर आप भी उत्तराखंड के चार धामों के दर्शन करना चाहते हैं तो आप भी फटाफट रजिस्ट्रेशन करवा लीजिए। Chardham Yatra 2024 के लिए सभी श्रद्धालुओं को उत्तराखंड पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। बिना इसके आप यहां यात्रा नहीं कर पाएंगे। 10 मई से चार धाम यात्रा की शुरुआत हो चुकी है। रजिस्ट्रेशन से तीर्थयात्रियों पर नजर रखने और निगरानी करने में मदद मिलती है।

नई दिल्ली। अगर आप इस साल चारधाम यात्रा पर जाने की सोच रहे हैं, तो बिना प्लानिंग यहां की यात्रा मुसीबतों पर साबित हो सकती है। इसकी वजह है कि गर्मियों से बचने के लिए लोग पहाड़ों का रूख कर रहे हैं और दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान रहने वालों का उत्तराखंड, हिमाचल ही फेवरेट समर डेस्टिनेशन है। जिस वजह से इन दिनों यहां बंपर भीड़ आ रही है। ऐसे में बिना रजिस्ट्रेशन चारधाम यात्रा के बारे में सोचना संभव ही नहीं। दूसरा गर्वनमेंट भी बिना रजिस्ट्रेशन आने वालों को चेक प्वॉइंट से वापस कर दे रही है। अगर आप गर्मियों में ऐसी किसी असुविधा का शिकार नहीं होना चाहते, तो पहले से निर्धारित वेबसाइट से चारधाम यात्रा का रजिस्ट्रेशन करा लेने में ही भलाई है। इसके बाद दी गई निर्धारित डेट के मुताबिक टूर प्लान करें।

ऐसे करें चारधाम यात्रा का रजिस्ट्रेशन

उत्तराखंड पर्यटन विभाग निर्धारित वेबसाइट registrationandtouristcare.uk.gov.in पर जाकर आप चारधाम यात्रा के लिए अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसके लिए registrationandtouristcare.uk.gov.in पर जाएं। रजिस्टर या लॉगिन बटन पर क्लिक करें। अपना नाम, संपर्क नंबर, ईमेल आईडी सहित जरूरी जानकारियां भरें। इसके बाद आपके मोबाइल पर एक ओटीपी आएगा, उसे वेबसाइट में निर्धारित जगह डालते ही रिजस्ट्रेशन पूरा हो जाएगा। इसके बाद, एक नया डैशबोर्ड खुलेगा, जहां व्यक्ति के यात्रा से जुड़ी सारी जानकारी जिसमें यात्रा की तारीख, लोगों की कुल संख्या, यात्रा करने के लिए तीर्थ स्थल जैसी जानकारियां दिखेंगी। रजिस्ट्रेशन पूरा हो जाने पर, रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक रजिस्ट्रेशन नंबर भी भेजा जाएगा। जिसके बाद चार धाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। वैसे पर्यटन विभाग के टोल फ्री नंबर 0135-1364 पर कॉल करके भी रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। इसके साथ ही touristcarerttarakhand मोबाइल एप के जरिए भी रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

उत्तराखंड टूरिज्म डिपार्टमेंट की ओर से रोजाना रजिस्ट्रेशन की संख्या तय कर दी गई है। जिसमें केदारनाथ यात्रा के लिए 18 हजार, बद्रीनाथ के लिए 20 हजार, गंगोत्री के लिए 11 हजार और यमुनोत्री धाम के लिए 9 हजार अधिकतम श्रद्धालुओं के प्रतिदिन रजिस्ट्रेशन की संख्या निर्धारित की गई है।

भारतीय महिलाएं होती हैं Cervical Cancer का ज्यादा शिकार, इन जरूरी जांचों से लगा सकते हैं इसका पता

नई दिल्ली। सर्वाइकल कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाला कैंसर है। हालांकि समय पर इसका पता लग जाए, तो इसे बढ़ने से आसानी से रोका जा सकता है। यह कैंसर 90 प्रतिशत से ज्यादा पुरुषों और महिलाओं को प्रभावित करता है। सर्वाइकल कैंसर होने के पीछे कई कारण हैं, लेकिन ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) संक्रमण को इसका मुख्य जिम्मेदार माना जाता है। ह्यूमन पैपिलोमा वायरस का एक समूह है, जिसके 100 से भी ज्यादा प्रकार है। जिनमें से लगभग 30 प्रकार तो सिर्फ लैंगिक एरिया को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं।

सर्वाइकल कैंसर के कारण

1. पहले से एचपीवी से संक्रमित व्यक्ति के साथ यौन संबंध बनाने से यह कैंसर फैलता है। इसके अलावा जो महिलाएं एक से ज्यादा पुरुष के साथ यौन संबंध बना चुकी हैं या कम उम्र में संबंध बना चुकी हैं, उन्हें भी सर्वाइकल कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

2. सिफलिस, क्लैमाइडिया, गोनोरिया से संक्रमित हो चुकी महिलाओं में भी इस कैंसर के होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है।

3. धूम्रपान, तनाव और लंबे समय तक गर्भ निरोधक गोलियों का इस्तेमाल भी सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को बढ़ाता है।

सर्वाइकल कैंसर का बचाव और इलाज दोनों संभव है, अगर समय रहते इसका पता लग जाए तो, लेकिन महिलाओं में जागरुकता की कमी से इसकी समय पर जानकारी नहीं मिल पाती और इलाज मुश्किल हो जाता है। एचपीवी वाले ज्यादातर लोगों में इसके लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। सर्वाइकल कैंसर से खुद को बचाने का सबसे अच्छा तरीका है नियमित रूप से सर्विकल जांच करवाते रहना।

सर्वाइकल स्क्रीनिंग टेस्ट

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के सबसे प्रभावी उपायों में एक नियमित स्क्रीनिंग है। इसमें आपके गर्भाशय ग्रीवा के हेल्थ की जांच की जाती है। डॉक्टर या नर्स आपके गर्भाशय ग्रीवा से एक स्वैब का इस्तेमाल करके छोटा सा सैंपल लेते हैं और फिर ह्यूमन पैपिलोमा वायरस की जांच करते हैं। हर पांच साल में स्क्रीनिंग करवाते रहना चाहिए।

एसिटिक एसिड (वीआईए)

एसिटिक एसिड (वीआईए) यानी विजुअल इंस्पेक्शन में जांच जल्द होती है और परिणाम आने में भी कम समय लगता है। इसमें ग्रीवा की जांच बिना किसी उपकरण सिर्फ आंखों से देख कर की जाती है। यह जांच गर्भाशय की ग्रीवा पर 5 प्रतिशत एसिटिक एसिड लगा कर की जाती है। इसके एक मिनट के बाद परिणाम बता दिया जाता है।

नींद की कमी डाल सकती है हैप्पी हार्मोन्स पर असर, गर्मियों में इन तरीकों से रखें इसे बैलेंस

भयंकर गर्मियों ने बाहर निकलना ही मुश्किल नहीं कर रखा है बल्कि इसने रातों की नींद भी उड़ा रखी है जिसके चलते लोग तनाव डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। नींद की कमी का सीधा असर हमारे मूड पर पड़ता है। इससे सेरोटोनिन हार्मोन का लेवल गिरने लगता है। हालांकि हेल्दी डाइट एक्सरसाइज और अच्छी नींद लेकर इसे बैलेंस किया जा सकता है।

नई दिल्ली। चुस्त-दुरुस्त बने रहने के लिए हेल्दी डाइट और रोजाना एक्सरसाइज के साथ अच्छी नींद लेना बेहद जरूरी माना जाता है, लेकिन इन दिनों ऐसी भंयकर गर्मी पड़ रही है और साथ ही कई शहरों में घंटों तक बिजली भी गायब रह रही है, जिससे चलते लोगों की नींद उड़ गई है। नींद पूरी न होने से लोगों के दिमाग में केमिकल लोचा हो रहा है। मेडिकल लैंग्वेज में कहें तो लोगों का सेरोटोनिन हार्मोन डिस्बैलेंस हो रहा है। जिसके चलते भूलने की बीमारी, चिड़चिड़ापन, ज्यादा गुस्सा आना, घबराहट जैसे लक्षण देखने को मिल रहा है। सेरोटोनिन को हैप्पी हॉर्मोन भी कहते हैं।

सेरोटोनिन हार्मोन का काम

सेरोटोनिन एक केमिकल है, जो मस्तिष्क और पूरे शरीर में तंत्रिका कोशिकाओं के बीच संदेश पहुंचाने का काम करता है। हालांकि सेरोटोनिन और भी कई भूमिकाएं निभाता है। ये केमिकल मूड, नींद, पाचन, मतली, घाव भरने, बोन हेल्थ और यौन इच्छा जैसे शारीरिक कार्यों में अहम भूमिका निभाता है। यह आपके सोने और जागने के समय को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए मेलाटोनिन के साथ काम करता है। सेरोटोनिन हार्मोन में गड़बड़ी के लक्षण इसकी कमी होने से मूड पर सीधा असर पड़ता है, जो डिप्रेशन, तनाव का कारण बन सकता है। खुश, रिलैक्स और भावनात्मक रूप से स्थिर रहने के लिए सेरोटोनिन की जरूरत होती है। अच्छी नींद न लेने, नशीली दवाओं के इस्तेमाल से, मोटापा और बहुत ज्यादा चीनी व सैचुरेटेड फैट्स वाली चीजें खाने से सेरोटोनिन हार्मोन डिस्बैलेंस होने का खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे रखें इस हार्मोन को संतुलित

इस हार्मोन को संतुलित करने के लिए आप काजू, अनानास, केला और मूंगफली को अपनी डाइट में शामिल करें। साथ ही सोने से कम से कम एक घंटा पहले गैजेट्स से दूरी बना लें। दिन में थोड़ी देर ही सही एक्सरसाइज के लिए वक्त निकालें। फलों के अलावा हरी सब्जियां भी खाएं। इन तरीकों को अपनाकर आप गर्मियों में स्वस्थ और हैप्पी बने रह सकते हैं।

SAVE WATER SAVE ENVIRONMENT

खीरा खाएं या ककड़ी, गर्मियों में सेहत के लिए क्या है ज्यादा सही

गर्मियों के मौसम में हम खानपान में कई तरह की ठंडी चीजों को शामिल करते हैं। इन दिनों सलाद के तौर पर खीरा और ककड़ी का सेवन भी आप जरूर करते होंगे लेकिन क्या कभी आपके मन में ये सवाल उठा है कि भला सेहत के लिहाज से दोनों में से किसे खाना ज्यादा बेहतर है

नई दिल्ली। वैसे तो सलाद का सेवन हर मौसम में ही बढ़िया माना जाता है, लेकिन खासतौर से गर्मियों में शरीर को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है। आज इस आर्टिकल में हम खीरा और ककड़ी के बारे में बात करेंगे। बता दें, कि ये दोनों ही चीजें पेट को ठंडक देने और शरीर को एनर्जेटिक बनाए रखने के लिहाज से काफी फायदेमंद मानी जाती हैं, लेकिन अक्सर लोगों के मन में यह सवाल आता है, कि गर्मियों में किसे खाना सेहत की नजर से ज्यादा सही है। चलिए इस आर्टिकल में आपको इन दोनों के बारे में कुछ खास बातें बताते हैं।

खीरा खाने के फायदे

खीरा और ककड़ी में सिर्फ स्वाद और आकार का ही नहीं, बल्कि पोषक तत्वों का भी फर्क होता है। खीरा की बात करें, तो ये विटामिन सी, विटामिन बी, विटामिन बी6, विटामिन ई, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम और भरपूर मात्रा में फाइबर से भरा होता है। पोटेशियम और मैग्नीशियम की मौजूदगी इसे मसल्स की ग्रोथ के लिहाज से काफी बेहतर बनाती है। इसमें 90% पानी होता है, जो गर्मियों में आपके शरीर को हाइड्रेट रखने के लिहाज से काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आपको त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याओं से दूर रखते हैं। ऐसे में, इसका सेवन सिर्फ सेहत ही नहीं, बल्कि ब्यूटी के लिहाज से भी काफी बढ़िया रहता है। इसके अलावा इसमें शामिल विटामिन्स आपको दिल से जुड़ी बीमारियों से बचाने का काम करते हैं और इम्युनिटी को भी बेहतर बनाते हैं।

ककड़ी खाने के फायदे

पाचन तंत्र को बूस्ट करने के लिहाज से ककड़ी का सेवन भी काफी फायदेमंद होता है। यह वजन को भी नियंत्रित करती है और शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को भी कम करने में काफी बढ़िया मानी जाती है। अगर आपको हाई बीपी की समस्या है, तो भी ककड़ी का सेवन आपके लिए फायदेमंद है, बता दें कि इसमें विटामिन सी पाया जाता है जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में बड़ी भूमिका निभाता है। ककड़ी में कैलोरी की मात्रा कम, तो वहीं फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो बढ़ते वजन को रोकने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

दोनों में से क्या है ज्यादा बेहतर?

वैसे तो सेहत के लिहाज से ककड़ी हो या खीरा, दोनों की बढ़िया माने जाते हैं, लेकिन चूंकि खीरे में पानी ज्यादा होता है, ऐसे में गर्मियों में मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए इसका सेवन बेहद लाभदायक है। अगर बात वजन कम करने की करें, तो दोनों ही लो कैलोरी फूड हैं, ऐसे में वेट लॉस के लिहाज से दोनों का सेवन ही बेहतर माना जाता है। वहीं, स्वाद के मामले में भी दोनों में कुछ खास फर्क नहीं है। फाइबर की मात्रा भी दोनों में भी भरपूर होती है, जो कि आपके पेट को काफी देर तक भरा हुआ रखता है। इसलिए किसी एक को चुनने के बजाय आप बेफिक्र होकर दोनों का ही सेवन कर सकते हैं।

कुछ कहानियां कहनी जरूरी होती है कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन की साजिद

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन चर्चा में बनी हुई है। फिल्म बस कुछ दिनों में थिएटर्स में दस्तक देने वाली है। इस दौरान चंदू चैंपियन का प्रमोशन भी जोर-शोर से चल रहा है। अब फिल्म के प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने भी फिल्म को लेकर बात की। इसके साथ ही उन्होंने चंदू चैंपियन की कहानी की खासियत बताई।

नई दिल्ली। कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन रिलीज के नजदीक पहुंच गई है। मूवी के लिए एक्टर खूब पापड़ बेले हैं। चंदू चैंपियन के पोस्टर रिलीज के साथ ही कार्तिक आर्यन ने तहलका मचा दिया था। एक्टर के फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन ने हर किसी का ध्यान खींचा था। फिल्म में कार्तिक आर्यन रियल लाइफ हीरो मुरलीकांत पेटकर का किरदार पर्दे पर उतारते हुए नजर आएंगे।

मुरलीकांत पेटकर भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। जिन्होंने एक मुक्केबाज और सैनिक से स्विमर बनने का सफर तय किया।

ताकतवर है सिनेमा

चंदू चैंपियन को लेकर कार्तिक आर्यन के साथ- साथ पूरी टीम एक्साइटेड है। प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म को खास बताया। डीएनए के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, सिनेमा के जादू की कोई लिमिट नहीं है। एक फिल्म निर्माता के तौर पर मैं एंटरटेनमेंट के इस माध्यम की पूरी शक्ति का फायदा उठाने के लिए तैयार हूं। सिनेमा की अपनी ताकत है।

कुछ कहानियां कहनी है जरूरी

उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि कुछ कहानियों को दुनिया के साथ शेयर करने की जरूरत है। मैं एक फिल्ममेकर के तौर पर उन्हें बताने के लायक हूं, ये मरे लिए भाग्यशाली महसूस करने वाली बात है। चंदू चैंपियन एक ऐसी ही असाधारण कहानी है, जिसे हमने पूरी लगन के साथ बनाया है। ये हमारे लिए बहुत खास है और दुनियाभर दर्शकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की क्षमता रखती है।

कब रिलीज होगी फिल्म ?

चंदू चैंपियन का डायरेक्शन कबीर खान ने किया है। वहीं, साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म इस हफ्ते 14 को दुनियाभर के थिएटर्स में रिलीज होगी।

फिल्म में कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन का लीड रोल निभाया है। कार्तिक आर्यन के वर्क फ्रंट की बात करें, तो चंदू चैंपियन के अलावा उनके पास भूल भुलैया 3 भी है।

इसके अलावा एक्टर तृप्ति डिमरी के साथ भी एक फिल्म पर काम कर रहे हैं।

यह फिल्म अब एक इमोशन बन चुकी है लापता लेडीज पर बोलीं प्रतिभा रांटा

लापता लेडीज किरण राव द्वारा निर्देशित फिल्म है जिसने ओटीटी पर रिलीज के बाद से ही तहलका मचा दिया। फिल्म के किरदार जया (Pratibha Ranta) फूल (Nitanshi Goel) और दीपक (Sparsh Shrivastava) को दर्शकों का खूब प्यार मिला। हर कोई इनकी तारीफ करते नहीं थक रहा। वहीं इसकी कास्ट को भी अब ये एक फिल्म से ज्यादा इमोशन लगती है।

नई दिल्ली। लापता लेडीज की रिलीज के बाद से इसकी स्टार कास्ट नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा और स्पर्श श्रीवास्तव को फैंस का खूब प्यार मिला। नेटफ्लिक्स पर अपने ओटीटी डेब्यू के बाद तो मानों फिल्म ने जैसे दर्शकों का दिल ही चुरा लिया हो। अब हाल ही में फिल्मीज्ञान को दिए एक इंटरव्यू में फिल्म में जया के किरदार में नजर आईं प्रतिभा रांटा ने किरण राव संग काम करने और फिल्म को लेकर अपने एक्सपीरियंस पर बात की।

प्रतिभा रांटा ने कहा कि फिल्म ने दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि ये सिर्फ एक कहानी से कहीं अधिक है। प्रतिभा ने बताया कि फिल्म में लोग न सिर्फ उनके किरदार जया सिंह की तारीफ कर रहे हैं बल्कि फूल कुमारी और दीपक कुमार के लिए भी उतना ही प्यार दिखा रहे हैं।

लापता लेडीज एक इमोशन है

प्रतिभा ने कहा, मैंने देखा है कि लापता लेडीज एक इमोशन की तरह बन गई है। जब भी कुछ होता है, जैसे अगर जया को बहुत तारीफ मिल रही है,तो कोई कहता है,%फूल की भी तारीफ करो और अचानक फूल को बहुत तारीफ मिलने लगती है। फूल की तारीफ हो रही हो तो कोई दीपक को कैसे भूल सकता है? यह देखना बेहद खूबसूरत है कि कैसे लोग भावनात्मक रूप से खुद को इस फिल्म से जोड़ रहे हैं। मुझे लगता है कि लापता वास्तव में एक इमोशन बन गई है।

कोरोना के दौरान हुई थी शूटिंग

प्रतिभा ने बताया कि लापता लेडीज की शूटिंग कोरोना की थर्ड वेव के दौरान हो रही थी। उन्होंने कहा कि आप किरण राव मैम का चेहरा देखकर ये बिल्कुल नहीं कह सकते थे कि कोई पैनिक जैसा कुछ है। मैम के बारे में दूसरी सबसे अच्छी बात ये है कि वो सेट पर लोगों को बहुत दुलार करती हैं। सेट पर काफी ज्यादा हंसी-मजाक होता था कि हमें भी नहीं पता ये टाइम कहां निकल गया? लापता लेडीज मेरा सबसे अच्छा एक्सपीरियंस रहा।

किरण राव के अलावा साल 2024 प्रतिभा रांटा के लिए भी काफी अच्छा रहा।

लापता लेडीज की जया के अलावा फिल्म हीरामंडी में उनके किरदार शमा को भी लोगों ने खूब प्यार दिया। संजय लीला भंसाली की इस वेब सीरीज में प्रतिभा मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल और संजीदा शेख के साथ नजर आई थीं।

विक्की कौशल के नए लुक ने सोशल मीडिया पर मचाया तहलका, फैंस बोले- अब तक का बेस्ट लुक

विक्की कौशल की गिनती बी टाउन के हैंडसम एक्टर्स में होती है। वह अपनी एक्टिंग को लेकर खासे फेमस हैं। विक्की किसी भी रोल में खुद को ढालने के लिए जाने जाते हैं। इन दिनों वह एक बार फिर चर्चा में हैं लेकिन किसी फिल्मी प्रोजेक्ट को लेकर नहीं बल्कि अपने लुक को लेकर। सोशल मीडिया पर उनके नए लुक की फोटो सामने आई है।

नई दिल्ली। बॉलीवुड के हैंडसम एक्टर विक्की कौशल एक्टिंग के अलावा अपने लुक्स के कारण भी लाइमलाइट में बने रहते हैं। अगर ये वजह न हो, तो वाइफ कटरीना कैफ के साथ पोस्ट की जाने वाली उनकी फोटोज के कारण भी वो लोगों की नजरों में बने रहते हैं। विक्की कौशल अक्सर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के कारण सुर्खियों में रहते हैं। वह काफी टाइम से छावा फिल्म को लेकर ट्रेंड में बने हैं। विक्की कौशल अपनी हर फिल्म में रोल के अनुसार खुद को अच्छी तरह से ढालना जानते हैं। उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक हो या सैम बहादुर विक्की अपने रोल के लिए काफी मेहनत करते हैं। ऐसा ही उन्होंने छावा फिल्म के लिए भी किया।

विक्की कौशल का नया लुक आया सामने

इस मूवी के लिए विक्की काफी टाइम से लंबी दाढ़ी और बाल मेंटेन कर रहे थे। अब सोशल मीडिया पर उनका नया लुक सामने आया है। उनके हेयर स्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने उनकी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। विक्की को ब्लैक टी-शर्ट, गॉगल्स, छोटे बाल और कम दाढ़ी में देखा जा सकता है। एक्टर के इस स्टाइलिश लुक्स पर लोगों ने मिक्स रिएक्शन दिया है।

छावा हेयरस्टाइल में छाए विक्की कौशल

इस लुक को शेयर कर कैप्शन में लिखा है, विक्की कौशल न्यू लुक, बोले तो एकदम छावा। एक्टर के नए लुक पर एक यूजर ने कमेंट किया, %मुझे ये हेयरकट अच्छा लगा, मैं भी इसे कराउंगा। एक ने लिखा, अक्षय खन्ना भी तो हैं इस फिल्म में, उनकी फोटो भी डालो।

विक्की कौशल वर्क फ्रंट

विक्की के वर्क फ्रंट की बात करें, तो उनकी झोली में अपकमिंग फिल्म छावा ही है। फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन ऐसे कयास हैं कि मूवी इस साल दिसंबर में रिलीज हो सकती है।

उत्तर प्रदेश की आन-बान शान हैं ये नृत्य, देश ही नहीं विदेशों में भी हैं इसके दीवाने

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य हैं, जो लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। बात चाहे ज्ञान-विज्ञान की हो, धर्म-अध्यात्म की हो या फिर गीत-संगीत की हो, यहां की प्रतिभा को उच्च कोटि का दर्जा प्राप्त है। यहां के लोकनृत्यों की सराहना तो देशों-दुनिया में होती हैं। हर क्षेत्र के अपने नृत्य मिल जाएंगे जोकि अलग-अलग त्योहार या अवसरों पर किए जाते हैं। ब्रज का चरकुला, रासलीला, बुंदेलखंड की राई, डंडा-पाई, ख्याल, पूर्वांचल का धोबिया और कजरी नृत्य सरीखे अनेक लोकनृत्य है जिसे देखने के बाद दर्शक दिवाने हो जाते हैं। तभी तो यूपी अपनी इस सांस्कृतिक कला पर नाज करता है।

चरकुला नृत्य

बात जब भी उत्तर प्रदेश की हो तो ब्रज क्षेत्र को भला कैसे भूला जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की जन्मस्थली के रूप में विश्वविख्यात ब्रज क्षेत्र के नृत्य अत्यंत मनमोहक होते हैं। यहां चरकुला नृत्य में मनोरंजन, कला, अध्यात्म और परंपरा का समावेश होता है। इस नृत्य में घूंघट में महिलाएं अपने सिर पर बड़े गोलाकार लकड़ी के पिरामिडों को संतुलित करके भगवान कृष्ण के गीतों पर नृत्य करती हैं। प्रत्येक पिरामिड पर दीपक जलते रहते है। यह विशेष रूप से होली के बाद किए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि उस दिन राधारानी का जन्म हुआ था। किंवदंती है कि राधारानी की दादी राधा के जन्म की घोषणा के लिए अपने सिर पर चरकुला लेकर घर से बाहर दौडी थीं, तब से चरकुला ने ब्रजभूमि का एक लोकप्रिय नृत्य रूप बना लिया है, जो विभिन्न उत्सवों के दौरान किया जाता है।

रासलीला

रासलीला या कृष्णलीला में युवा और बालक कृष्ण की गतिविधियों का मंचन होता है। जन्माष्टमी के मौके पर कान्हा की इन सारी अठखेलियों को एक धागे में पिरोकर यानी उनको नाटकीय रूप देकर रासलीला खेली जाती है। इसीलिए जन्माष्टमी की तैयारियों में श्रीकृष्ण की रासलीला का आनन्द मथुरा, वृंदावन तक सीमित न रह कर पूरे देश में छा जाता है।

मयूर नृत्य

ब्रज क्षेत्र का मयूर नृत्य भी काफी आकर्षक होता है। मयूर नृत्य में मोर के पंखों से बनी एक विशेष प्रकार की पोशाक पहनी जाती है। इस नृत्य की थीम भी राधा-कृष्ण के प्रेम पर आधारित होती है। यहां प्रमुख नृत्यों में झूला नृत्य का नाम भी आता हैं। खासतौर पर सावन में किया जाता है, जिसमें बालक और बालिकाएं दोनों भाग लेते हैं। मंदिरों में झूले डालकर भी यह नृत्य किया जाता है।

कथक

कथक उत्तर भारत का शास्त्रीय नृत्य है। कथक शब्द का अर्थ कथा को नृत्य रूप में प्रस्तुत करना है। कहा जाता है कि महाभारत में भी कथक का वर्णन है। इस नृत्य के तीन प्रमुख घराने हैं। कछवा के राजपूतों की राजसभा में जयपुर घराने का, अवध के नवाब की राजसभा में लखनऊ घराने का और वाराणसी की सभा में वाराणसी घराने का जन्म हुआ। अपने अपनी विशिष्ट रचनाओं के लिए विख्यात एक कम प्रसिद्ध %रायगढ़ घराना% भी है।

राई और ख्याल नृत्य

स्वतंत्रता आंदोलन में फिरंगियों को धूल चटाने वाले वीरों की धरती बुंदेलखंड में लोकनृत्यों की बुलंदी देखी जा सकती है। पुत्र जन्मोत्सव पर ख्याल नृत्य और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर राई नृत्य काफी मनमोहक होता है। ख्याल नृत्य में रंगीन कागजों तथा बांसों की मदद से मंदिर बनाकर फिर उसे सिर पर रखकर नृत्य किया जाता है। राई नृत्य मयूर की भांति किया जाता है। इस दौरान महिलाएं पूरी तरह से घूंघट और परंपरागत आभूषण में रहती हैं।

शौरा नृत्य

बुंदेलखंड का शौरा नृत्य भी काफी लोकप्रिय है, इसे सैरा भी कहते हैं। बुंदेलखंड के कृषक अपनी फसलों को काटते समय खुशी प्रकट करने के उद्देश्य से करते हैं।

पाई डंडा नृत्य

पाई डंडा नृत्य, यह गुजरात के डांडिया नृत्य के समान है जो कि बुंदेलखण्ड के अहीर समुदाय द्वारा किया जाता है। बुंदेलखंड का घोड़ा नृत्य, कार्तिक नृत्य, दिवारी और धुरिया नृत्य भी काफी लोकप्रिय है।

देवी नृत्य भी ज्यादातर बुंदेलखण्ड में ही प्रचलित है। इसके अलावा बुंदेलखंड के कई और नृत्य भी लोकप्रिय हैं।

गर्मी की तपिश से राहत पाने के लिए आम नहीं, इस बार तरबूज का पन्ना करिए ट्राई

भीषण गर्मी का दौर जारी है। इन दिनों शरीर में अक्सर इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है जो आपको हीट स्ट्रोक का शिकार बना देती है। ऐसे में फल-फ्रूट्स या फिर कच्चे आम का पन्ना काफी फायदेमंद माना जाता है।

नई दिल्ली। गर्मियों में शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए फलों का सेवन खूब किया जाता है। लू की मार से बचने के लिए कच्चे आम का पन्ना तो आप भी शौक से पीते होंगे, लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि तरबूज की मदद से भी बेहद स्वादिष्ट पन्ना तैयार किया जा सकता है। बता दें, कि चिलचिलाती धूप में निकलने से पहले इसका सेवन करेंगे, तो न सिर्फ शरीर में ठंडक बनी रहेगी, बल्कि पूरे दिन आप एनर्जी से भरपूर रहेंगे। आइए अब बिना देर किए जान लीजिए तरबूज का चटपटा पन्ना बनाने की स्पेशल रेसिपी।

तरबूज का पन्ना बनाने के लिए सामग्री

तरबूज- एक मीडियम साइज
चीनी- 3/4 कप
कश्मीरी लाल मिर्च- एक चुटकी
जीरा- एक चम्मच
काली मिर्च- 10-12
पुदीना के पत्ते- एक मुट्ठी
नींबू के टुकड़े- 2-3
काला नमक- एक चम्मच
नमक- स्वादानुसार
नींबू का रस- स्वादानुसार
आइस क्यूब्स- जरूरत के मुताबिक

तरबूज का पन्ना बनाने की विधि

तरबूज का पन्ना बनाने के लिए सबसे पहले इसे छोटे टुकड़ों में काट लें।
इसके बाद इसे मिक्सर की मदद से ब्लेंड कर लें।
फिर तरबूज के जूस को छान लें और इसे एक पैन में निकाल लें।
अब मीडियम फ्लेम पर तरबूज के रस को पकने दें।
जब यह पक पक कर थोड़ा गाढ़ा होने लगे, तो गैस ऑफ कर दें और इसमें चीनी मिला दें।
अब इसमें भुना जीरा, काला नमक, कश्मीरी लाल मिर्च और काली मिर्च कूटकर डालें। इसके बाद इसमें पुदीने के पत्तों को क्रश करके एड करें। अब इसमें स्वादानुसार नींबू का रस डालें और बस तैयार है तरबूज का शानदार पन्ना। इसे एक बर्तन में डालकर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें और आइस क्यूब्स डालकर ठंडा-ठंडा ही सर्व करें।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

इस ऐप की मदद से आसानी से बनेगा पासपोट, डॉक्यूमेंट कैरी करने की नहीं होगी झंझट

पासपोर्ट बनवाने के लिए जरूरी डॉक्युमेंट्स अटैच करने पड़ते हैं। ऐसे में इन डॉक्यूमेंट्स के खो जाने या भूल जाने का डर बना रहता है। अगर आप भी पासपोर्ट बनवाने का सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है। अब आपको पासपोर्ट बनवाने के लिए डॉक्यूमेंट्स कैरी करने की जरूरत नहीं है। आप ऐप के जरिये सभी डॉक्यूमेंट्स को आसानी से वेरीफाई करवा सकते हैं।

नई दिल्ली। विदेश घूमने का सपना हर कोई देखता है। हम सभी जानते हैं कि विदेश घूमने के लिए वीजा के साथ पासपोर्ट भी जरूरी है। पासपोर्ट बनवाने का प्रोसेस वैसे तो बहुत आसान है, लेकिन पासपोर्ट बनवाते समय डॉक्यूमेंट्स कैरी करना एक झंझट भरा काम लगता है।

पासपोर्ट बनवाने के लिए जरूरी डॉक्युमेंट्स अटैच करने पड़ते हैं। ऐसे में इन डॉक्यूमेंट्स के खो जाने या भूल जाने का डर बना रहता है। अगर आप भी पासपोर्ट बनवाने का सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है।

अब आपको पासपोर्ट बनवाने के लिए डॉक्यूमेंट्स कैरी करने की जरूरत नहीं है। आपको अपने फोन में एक ऐप इंस्टॉल करना है जिसकी मदद से आप कम समय में पासपोर्ट बनवा सकते हैं।

ये ऐप करेगा आपकी मदद

आपको अपने फोन में छ्व्रद्दद्बद्यशष्द्मद्गह्म ऐप को इंस्टॉल करना है। इस ऐप की मदद से आसानी से पासपोर्ट बनवा सकते हैं। इस ऐप पर आसानी से डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई हो जाएंगे। आपको बता दें कि Digilocker सरकार द्वारा प्रमाणित ऐप है। इस ऐप का इस्तेमाल डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन के लिए किया जाता है।

कैसे वेरीफाई होगा डॉक्यूमेंट्स

छ्व्रद्दद्बद्यशष्द्मद्गह्म से डॉक्यूमेंट्स वेरीफाई करने का तरीका बहुत आसान है। आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आ जाएगा जिसके बाद आपके डॉक्यूमेंट वेरीफाई हो जाएंगे।

पासपोर्ट बनने में कितना समय लगता है

डॉक्यूमेंट्स वेरीफाई करने या फिर डॉक्यूमेंट्स सबमिट करने के 15 दिन से लेकर 1 महीने के भीतर पासपोर्ट बनकर तैयार हो जाता है। पासपोर्ट आवेदक से घर के पते में कोरियर के जरिये आ जाता है। कई बार पासपोर्ट कम समय में ही आ जाता है।

पासपोर्ट के बनाने के लिए आप जिन डॉक्यूमेंट्स की जानकारी दे रहे हैं उसके लिए थोड़ सावधान रहें। अगर किसी डॉक्यूमेंट में कोई गलती होती है या फिर पुलिस वेरिफिकेशन में देरी होती है तब पासपोर्ट भी देरी से बनता है।

आपको बता दें कि नॉर्मल पासपोर्ट के लिए 1500 रुपये का चार्ज लगता है। वहीं, ज्यादा पेज के पासपोर्ट के लिए 2000 रुपये का भुगतान करना होता है।

नीमच में आज को होने वाली मतगणना की सभी प्रशासनिक तैयारियां पूर्ण

कलेक्टर श्री जैन ने मतगणना तैयारियों का जायजा लिया

नीमच। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मंगलवार को 4 जून 2024 को शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच में प्रात 8 बजे से होने वाली मतगणना की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मतगणना केंद्र पर स्थापित स्ट्रांग रूम की थ्री लेयर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। कलेक्टर दिनेश जैन ने सोमवार की शाम को मतगणना स्थल का निरीक्षण कर मतगणना की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने रविवार को शासकीय पी.जी कालेज नीमच में नीमच ,जावद एवं मनासा विधानसभा खण्ड के मतगणना कक्षों. स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया । उन्होने ने मतगणना केन्द्र पर रिजर्व काउन्टिग स्टाफ की बैठने की व्यवस्था चिकित्सा कक्ष की व्यवस्था, प्रवेश एवं निकासी की व्यवस्था मोबाईल रखने हेतु सुविधाकेंन्द्र की व्यवस्था आदि का जायजा लिया । कलेक्टर श्री जैन ने मीडिया सेन्टर में पत्रकारगणों, और मीडियाकर्मियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। मतगणना स्थल पर कॉलेज के पीछे वाले ग्राउण्ड में गणना अभिकर्ताओं, गणनाकर्मियों, पत्रकारगणों और मीडियाकर्मियों के वाहन की पार्किंग रहेगी और पीछे वाले व्दार से ही उक्त के प्रवेश की व्यवस्था रहेगी।

मतगणना प्रारंभ होने के दो घण्टे पूर्व उक्त सभी को मतगणना स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा।

इस निरीक्षण दौरान जिला पंचायत सीईओं श्री गुरूप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़ , डिप्टी कलेक्टर चन्द्रसिंह धार्वे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सजीव साहू,डिप्टी एवं तीनों ए.आर.ओं. एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

भारत के प्रसिद्ध शनि मंदिर, दर्शन मात्र से दूर होते हैं दुख-दर्द

नई दिल्ली। हिंदू मान्यताओं के अनुसार शनि देव को न्याय का देवता और कर्मफल दाता भी कहा जाता है। इस साल 06 जून, गुरुवार के दिन शनि जयंती मनाई जा रही है। ऐसे में आज हम आपको शनि देव देशभर के कुछ ऐसे प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके दर्शन द्वारा आप शनि देव की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

प्राचीन शनि मंदिर

मध्य प्रदेश के मुरैना जिले में भी एक प्रसिद्ध शनि मंदिर स्थित है। यह शनि मंदिर के सबसे प्राचीन शनि मंदिरों में से एक माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि यहां शनिदेव त्रेता युग से विराजमान हैं। इस मंदिर में आंख बंद किए हुए तपस्या की मुद्रा में शनि देव की स्थापित है। इस मंदिर की मान्यता है कि दर्शन करने के बाद श्रद्धालु अपने जूते-चप्पल और पहने हुए कपड़े आदि मंदिर में छोड़ जाते हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से सभी दुखों से मुक्ति मिलती है और ग्रह दोष आदि से भी छुटकारा मिलता है।

मंदिर में नहीं है छत और दीवार

महाराष्ट्र के अहमदनगर में स्थित शनि शिंगणापुर मंदिर एक प्रसिद्ध मंदिर है। यह मंदिर शिरणी से लगभग 65 किलोमीटर दूर स्थित है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां न तो कोई छत है और न ही कोई दीवार है। इस मंदिर में एक बड़ा काला पत्थर विराजमान है, जिसे शनि देव के रूप में पूजा जाता है और यह स्वंयभू हैं। यहां तक कि यहां रहने वाले स्थानीय लोगों के घर पर भी दरवाजे और ताले नहीं लगाए जाते और न ही यहां कभी चोरी होती है।

बुरे प्रभावों से मिलती है मुक्ति

तमिलनाडु में भी शनि देव को समर्पित एक मंदिर स्थापित है। यह नवग्रह मंदिरों में से भी एक है। इस मंदिर को लेकर ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने मात्र से शनिदेव के प्रकोप और अन्य बुरे प्रभावों से मुक्ति मिल सकती है।

वहीं, इस मंदिर में आकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से शनि ग्रह के बुरे प्रभावों से भी मुक्ति मिलती है।

इसलिए कहा जाता है कोकिलावन

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में स्थित शनि देव का सिद्ध मंदिर स्थापित है। इस स्थान को कोकिलावन धाम के नाम से जाना जाता है। यहां शनि देव की विशाल प्रतिमा स्थापित है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर में लगातार सात शनिवार तक शनि देव को सरसो का तेल चढ़ाने से शनि दोष से मुक्ति पाई जा सकती है।

कलेक्टोरेट में सामुहिक राष्ट्गान. म.प्र. गान एवं वन्दे मातरम का गायन हुआ

नीमच। कलेक्टर कार्यालय नीमच में सामुहिक राष्ट्गान एवं वन्देमातरम के गायन से कार्यों की शुरुआत हुई। राष्ट्गान एवं वन्देमातरम का गायन कलेक्टर श्री दिनेश जैन, जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, की उपस्थिति में हुआ।

इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री किरण आजना,मयूरी जोक ,श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव,एसडीएम डॉ.ममता खेडे एवं कलेक्ट्रेट भवन स्थित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामुहिक रूप से राष्ट्गान,वंदे मातरम एवं म.प्र.गॉन का गायन किया। तदपश्चात शासकीय कार्यों की शुरुआत की गई। कलेक्टोरेट, राजस्व, भू-अभिलेख, श्रम, आदिम जाति कल्याण, आबकारी, खनिज, शिक्षा, कोषालय, जिला जनसम्पर्क, शहरी विकास अभिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

जल ही जीवन है

पुलिस अधीक्षक श्री जायसवाल ने मतगणना केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा जवानों को दिये निर्देश

नीमच। पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल ने सोमवार की शाम को लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत नीमच में स्थापित मतगणना केंद्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के परिसर का निरीक्षण कर, सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी ने अभ्यर्थियों, मीडियाकर्मियों,मतगणनाकर्मियों के मतगणना स्थल पर प्रवेश की व्यवस्था और सुरक्षा व्यव्स्थाओं का अवलोकन किया ।उन्होने निर्देश दिये कि कोई भी बगैर परिचय पत्र के गणना स्थल पर प्रवेश ना कर पाए। मीडियाकर्मियों को मीडिया सेन्टर तक मोबाईल ले जाने की अनुमति रहेगी। एसपी ने मीडियाकर्मियों,अभिकर्ताओं मतगणनाकर्मियों के लिए अलग-अलग प्रवेश की व्यवस्था ,प्रवेश द्वार पर सुरक्षा जांच की व्यवस्था का मौके पर निरीक्षण कर संबधितों को आवश्यक निर्देश भी दिये ।इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिंह सिसौदिया, एसडीओपी श्रीमती यजस्वी शिन्दें, रक्षित निरीक्षक श्री विक्रम सिह भी उपस्थित थे।

पुराने तालाबों एवं जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार करें- कलेक्टर श्री यादव

साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर। कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जाए। सभी पुराने तालाबों से गाद निकालने का काम करें। नालों की साफ-सफाई का कार्य शुरू किया जाए। पौधारोपण के लिए भूमि चिह्नित करें एवं गड्डो का निर्माण करें। जिससे बारिश के पश्चात पौधारोपण किया जा सके।

पीएचई विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि जल गुणवत्ता की जांच करें। 23 जून को पल्स पोलियों अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक बच्चों को पल्स पोलियो की दवाई पिलाई जाएगी। 24 एवं 25 जून को घर-घर जाकर बच्चों की दवाई पिलाई जाएगी।

इसके साथ 25 जून से 27 जून तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। इसमें घर घर जाकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

जिला तैराकी प्रतियोगिता में खिलाडियों दिखाया अपना दम

नीमच। जिला तैराकी संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में स्विमफ्लाय स्पोर्ट्स नगरपालिका पुल के सभी खिलाडियों की मेहनत रंग लाई और प्रभू मूलचंदानी के मार्गदर्षन एवं कोच सुधा सोलंकी, आयुष, निलेष, अभिषेक सर के निर्देषन में टीम खिलाडियों को छप्पर फाडकर मैडल मिले। प्रतियोगिता में तृषा अभिषेक षर्मा (पटवा स्कूल) ने 3 में 3 गोल्ड, 1 सिल्वर, षिवांष चतुर्वेदी ग्रुप 3 में 4 गोल्ड 1 सिल्वर, अभिषेक जाटव 3 में 2 सिल्वर, अनुज मोहिल 1 गोल्ड 2 सिल्वर, अवनी षर्मा 1 गोल्ड 3 सिल्वर, इषिका फलवारी ग्रुप 3 में 1 गोल्ड 3 सिल्वर, अक्षिता जिंदानी 1 सिल्वर, प्रतीक अहीर 2 गोल्ड 1 सिल्वर, हेमंत माली 3 सिल्वर, धीरेन्द्र गेहलोत सीनियर 2 सिल्वर, नितेष षर्मा ग्रुप सीनियर 2 सिल्वर, विषाल षर्मा सीनियर 2 सिल्वर, मयंक राठौर सीनियर में 2 सिल्वर, प्रांषु जिंदानी 5 ब्रांज मेडल जीते। अन्य खिलाडियों का प्रदर्षन भी षानदार रहा। चयनित टीम म.प्र.तैराकी प्रतियोगिता ग्वालियर में 10 से 13 जून को अपना हुनर दिखाएंगे।

पौधा रोपण कब और कैसे करें -डॉ ऋतुराज टोंग्या

नीमच। पर्यावरण के लिए समर्पित आपकी पौधा संबधी आवश्यकता को निःशुल्क उपलब्ध कराने के साथ उत्कृष्ट वानस्पतिक ज्ञान और सलाह कार्य के साथ आई एन ओ पौधा बैंक क्षेत्र में कार्यरत संस्था द्वारा 2 जून 2024 रविवार को ऑनलाइन सेमिनार आयोजित किया गया । इस सेमीनार में इंदौर के पर्यावरण मित्र और चंपांजली फाउण्डेशन के संस्थापक पद्मश्री डॉ ऋतुराज टोंग्या मुख्य वक्ता थे । डा टोंग्या पेशे से चिकित्सक है, लेकिन जरा हटकर क्योंकि आपकी आपकी क्लिनिक में कोई निर्धारित चार्ज नही है और उन्होंने अपने क्लिनिक पर एक डिब्बे पर यह लिखकर रख दिया पे बाय हार्ट यानी जिसको अपने दिल से जितना पैसा देना है वह दे और कोई नही पूछेगा कितना दिया और क्यों दिया। उनकी सेवाओं में परामर्श के साथ दवाईयां इंजेक्शन और ओपीडी सर्जरीज सभी कुछ सम्मिलित है। सेमिनार में अतिथि स्वागत आई एन ओ जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सहसचिव सत्येन्द्र सक्सेना ने किया । सेमिनार की प्रस्तावना एवं अतिथि परिचय आई एन ओ पौधा बैंक संयोजक श्रीमती पुष्पलता सक्सेना ने प्रस्तुत की । डॉ टोंग्या ने कहा की पौधारोपण फरवरी मार्च में करना श्रेष्ठकर रहता है क्योंकि उसके बाद वर्षा ऋतु तक पौधों की जड़े मजबूत हो जाती है और उसका पोषण भी अच्छे से हो जाता है । आपने बताया की उनकी संस्था वृक्षारोपण के लिए गड्ढा खोदने की मशीन निःशुल्क सेवा के रूप में उपलब्ध करवाती है । सेमिनार में श्रीमती निकिता सिंहल, महेश शर्मा, एडवोकेट अशोक सक्सेना, श्रीमती भावना, श्रीमती चंद्रकांता दानगढ़, एवं अन्य उपस्थित रहे । आभार आई एन ओ जिला संगठन के सरंक्षक एडवोकेट अजय भटनागर ने माना । उपरोक्त जानकारी आई एन ओ जिला प्रवक्ता नितिन सक्सेना ने दी ।

इन 10 देशों के पास है दुनिया में सबसे ज्यादा सोना किस पायदान पर है भारत

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल में यूके में रखें गोल्ड में 100 टन भारत में वापस मंगवा लिया। आरबीआई के इस कदम के बाद हर कोई जानना चाहता है कि दुनिया में सबसे ज्यादा सोना किस देश के पास है। आज हम आपको टॉप-10 देशों के बारे में बताएंगे जिनके पास सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व है।

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने हाल में यूके में रखें गोल्ड में 100 टन भारत में वापस मंगवा लिया। आरबीआई के इस कदम के बाद हर कोई जानना चाहता है कि दुनिया में सबसे ज्यादा सोना किस देश के पास है।

इन देशों के पास है सबसे ज्यादा गोल्ड सोने का सबसे ज्यादा भंडार अमेरिका के पास है। गोल्ड रिजर्व वाले देशों की लिस्ट में अमेरिका टॉप पर आता है। अमेरिका के पास लगभग 8133.46 टन सोना है। गोल्ड रिजर्व में दूसरे नंबर पर जर्मनी आता है। जर्मनी के पास करीब 3352.31 टन सोना है। पिछले कारोबारी साल की आखिरी तिमाही में फ्रांस के गोल्ड रिजर्व में कमी आई थी।

गोल्ड रिजर्व की लिस्ट में तीसरे नंबर पर इटली आता है। इटली के पास लगभग 2451.84 टन गोल्ड है।

आखिरी तिमाही में कमी आने के बावजूद गोल्ड रिजर्व की लिस्ट में फ्रांस चौथे नंबर पर आता है। फ्रांस के पास करीब 2,436.88 टन गोल्ड है।

लिस्ट में पांचवें नंबर पर रूस आता है। यूक्रेन युद्ध की वजह से रूस के गोल्ड रिजर्व में भी कमी आई है। रुस के पास 2332.74 सोना था। अगर बात गोल्ड रिजर्व की लिस्ट में छठें नंबर की करें तो इस पायदान पर चीन आता है। चीन के पास 2262.45 टन सोना था। चीन के गोल्ड रिजर्व में वृद्धि हुई है।

गोल्ड रिजर्व की लिस्ट में सातवें नंबर पर स्विट्जरलैंड है। स्विट्जरलैंड के पास 1040 टन सोना है। जापान के पास 845.97 टन सोना है। इतने गोल्ड रिजर्व के साथ जापान आठवें पायदान पर आता है। भारत गोल्ड रिजर्व की लिस्ट में नौवें नंबर पर है। भारत के पास 822.09 टन सोना है।

गोल्ड रिजर्व लिस्ट में दसवें नंबर पर नीदरलैंड का नाम है। नीदरलैंड के पास 612.45 टन सोना है।

इस तारीख के बाद नहीं होगा फ्री में आधार अपडेट, हर अपडेशन के लिए इतना देना होगा चार्ज

आधार कार्ड बहुत जरूरी डॉक्यूमेंट है। यूआईडीएआई ने आधार यूजर्स के लिए ऑनलाइन फ्री अपडेशन की सुविधा दी है। आधार कार्ड डिटेल्स को फ्री में अपडेट करवाने की आखिरी तारीख 14 जून 2024 (शुक्रवार) है। है। आधार यूजर्स केवल ऑनलाइन ही फ्री में आधार कार्ड अपडेट करवा सकते हैं। आइएयहां जानते हैं कि आधार कार्ड को ऑनलाइन अपडेट करने का प्रोसेस क्या है?

नई दिल्ली। आधार कार्ड बहुत जरूरी डॉक्यूमेंट है। आज के समय में कई काम के लिए आधार कार्ड की जरूरत होती है। आधार कार्ड में एक आईडी-प्रूफ के तरह काम करता है। ऐसे में कई बार हमें उसमें अपने घर का पता, मोबाइल नंबर चेंज या अपडेट करना होता है।

कई आधार यूजर्स ने 10 साल से अपने आधार कार्ड को अपडेट नहीं किया है। ऐसे में यूआईडीएआई ने आधार यूजर्स के लिए ऑनलाइन फ्री अपडेशन की सुविधा दी है। आधार कार्ड डिटेल्स को फ्री में अपडेट करवाने की आखिरी तारीख 14 जून 2024 (शुक्रवार) है। आधार यूजर्स केवल ऑनलाइन ही फ्री में आधार कार्ड अपडेट करवा सकते हैं।

ये जानकारी होगी अपडेट

यूआईडीएआई के अनुसार आप अपने आधार कार्ड में घर का पता, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी आदि डिटेल्स को अपडेट करवा सकते हैं। वहीं फोटो, बायोमैट्रिक, आईरिस जैसे डिटेल्स को अपडेट करवाने के लिए आधार यूजर्स को आधार केंद्र जाना होगा।

ऑनलाइन कैसे करवाएं आधार अपडेट आपको सबसे पहले IDAI की ऑफिशियल वेबसाइट (https://uidai.gov.in/) पर जाना है। अब आधार अपडेट सर्विस को सेलेक्ट करें। इसके बाद आधार नंबर और ओटीपी (OTP) की मदद से लॉग इन करना है।

अब आधार अपडेट के ऑप्शन का चयन करें और जो डिटेल्स अपडेट करना है वो करें। इसके बाद प्रोसीड टू अपडेट आधार को पर क्लिक करें और अपडेट से संबंधित डॉक्यूमेंट्स को अपलोड करें। अब अपडेशन के लिए रिक्वेस्ट नंबर जेनरेट होगा। आप रिक्वेस्ट नंबर के जरिये आधार स्टेटस चेक कर सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला-23, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्कः ऐश्वर्य शर्मा (संपादक)- 9407423966, राधवेन्द्र शर्मा (प्रबंधक)- 9301678930। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।